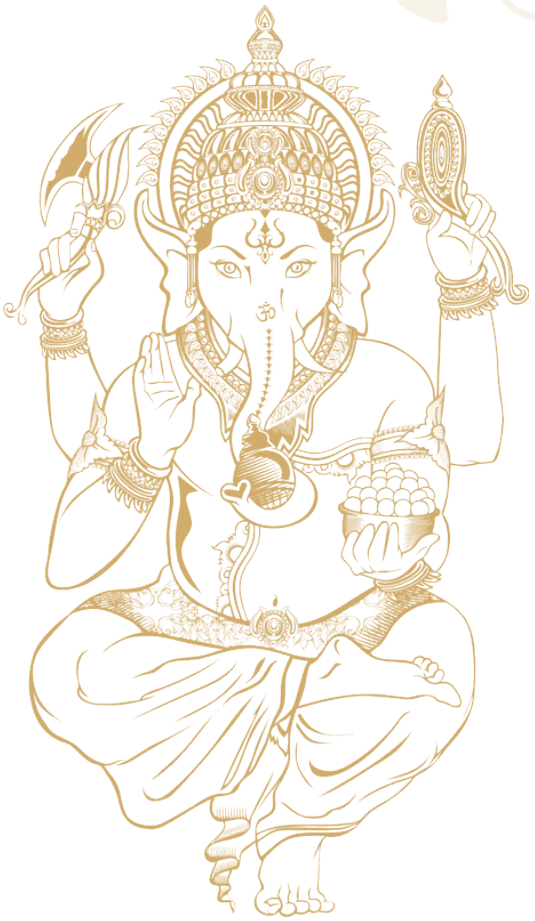

05 Mar 2026

12:52 PM

Basti

Model: web-freekundliweb

Order No: 121485002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/03/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:52:36 घंटे**
इष्ट	16:22:48 घटी
स्थान	**Basti**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:48:00 उत्तर
रेखांश	82:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:53:32 घंटे
वेलान्तर	-00:11:31 घंटे
साम्पातिक काल	23:45:46 घंटे
सूर्योदय	06:19:28 घंटे
सूर्यास्त	18:02:06 घंटे
दिनमान	11:42:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	20:30:00 कुम्भ
लग्न के अंश	13:59:13 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	13:59:13	321:06:45	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	20:30:00	01:00:05	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	12:26:51	12:47:16	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	07:54:47	00:47:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	24:44:25	00:54:46	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:55:07	00:01:09	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	04:21:20	01:14:41	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि			मीन	08:01:00	00:07:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:51	00:00:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:51	00:00:37	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:36:29	00:01:30	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:58:32	00:02:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:25:21	00:01:33	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	01:54:04	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

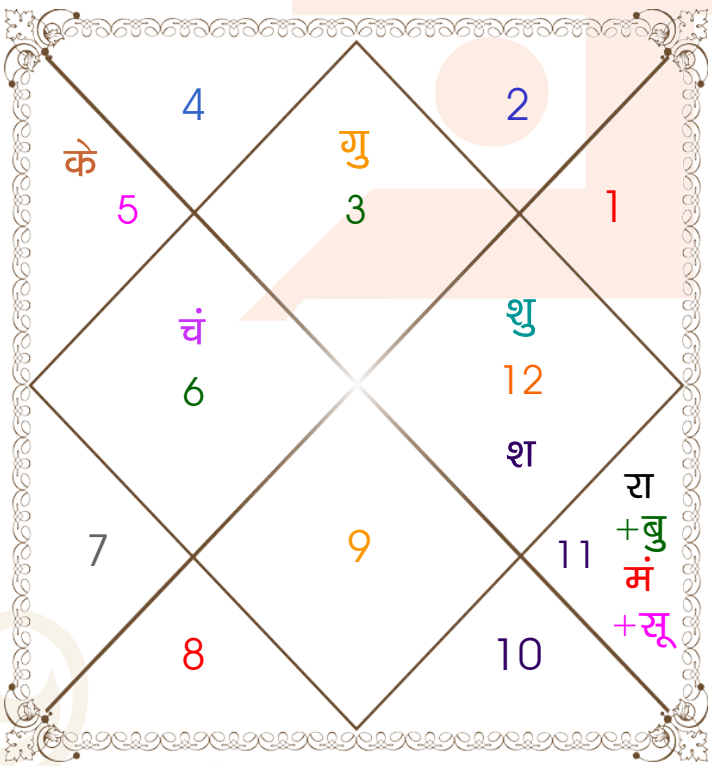

चन्द्र कुंडली

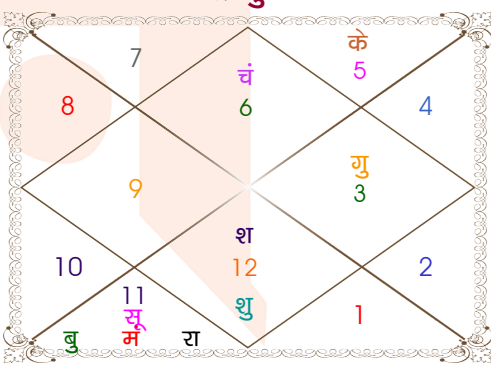

नवमांश कुंडली

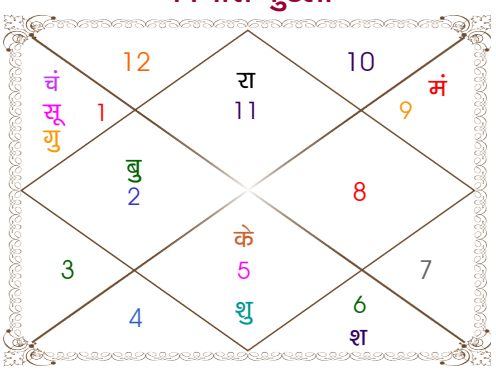

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 1 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/03/2026		04/05/2034		04/05/2041		04/05/2059		04/05/2075	
04/05/2034		04/05/2041		04/05/2059		04/05/2075		04/05/2094	
	00/00/0000	मंगल	30/09/2034	राहु	15/01/2044	गुरु	22/06/2061	शनि	07/05/2078
	05/03/2026	राहु	19/10/2035	गुरु	10/06/2046	शनि	03/01/2064	बुध	14/01/2081
राहु	04/04/2027	गुरु	24/09/2036	शनि	16/04/2049	बुध	10/04/2066	केतु	23/02/2082
गुरु	03/08/2028	शनि	02/11/2037	बुध	03/11/2051	केतु	17/03/2067	शुक्र	25/04/2085
शनि	04/03/2030	बुध	31/10/2038	केतु	20/11/2052	शुक्र	15/11/2069	सूर्य	07/04/2086
बुध	04/08/2031	केतु	29/03/2039	शुक्र	21/11/2055	सूर्य	03/09/2070	चंद्र	06/11/2087
केतु	04/03/2032	शुक्र	28/05/2040	सूर्य	15/10/2056	चंद्र	03/01/2072	मंगल	15/12/2088
शुक्र	02/11/2033	सूर्य	03/10/2040	चंद्र	16/04/2058	मंगल	09/12/2072	राहु	22/10/2091
सूर्य	04/05/2034	चंद्र	04/05/2041	मंगल	04/05/2059	राहु	04/05/2075	गुरु	04/05/2094

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/05/2094		05/05/2111		05/05/2118		05/05/2138		05/05/2144	
05/05/2111		05/05/2118		05/05/2138		05/05/2144		00/00/0000	
बुध	30/09/2096	केतु	01/10/2111	शुक्र	04/09/2121	सूर्य	23/08/2138	चंद्र	05/03/2145
केतु	27/09/2097	शुक्र	01/12/2112	सूर्य	04/09/2122	चंद्र	21/02/2139	मंगल	04/10/2145
शुक्र	29/07/2100	सूर्य	07/04/2113	चंद्र	05/05/2124	मंगल	29/06/2139	राहु	06/03/2146
सूर्य	04/06/2101	चंद्र	07/11/2113	मंगल	05/07/2125	राहु	23/05/2140		00/00/0000
चंद्र	04/11/2102	मंगल	05/04/2114	राहु	04/07/2128	गुरु	11/03/2141		00/00/0000
मंगल	01/11/2103	राहु	23/04/2115	गुरु	05/03/2131	शनि	21/02/2142		00/00/0000
राहु	20/05/2106	गुरु	29/03/2116	शनि	05/05/2134	बुध	28/12/2142		00/00/0000
गुरु	25/08/2108	शनि	08/05/2117	बुध	05/03/2137	केतु	05/05/2143		00/00/0000
शनि	05/05/2111	बुध	05/05/2118	केतु	05/05/2138	शुक्र	05/05/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 2 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।